8. फ्रांस

यूरोप का एक देश है फ्रांस। इसकी राजधानी पेरिस, संसार में अपनी खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है। चौड़ी सड़कें, किनारे फूलों की क्यारियां व पेड़ों की कतारें, बीच-बीच में फव्वारे, रंग-बिरंगी बिजलियां, चौराहों के बीच खूबसूरत मूर्तियां, देखते ही बनती हैं। पेरिस सीन नदी के दोनों किनारों पर बसा है। इस पर आने जाने के लिए कई पुल बने हैं। यहां लोहे की एक विशाल मीनार है, इस पर चढ़ो तो चारों ओर पेरिस बसा हुआ दिखता है।

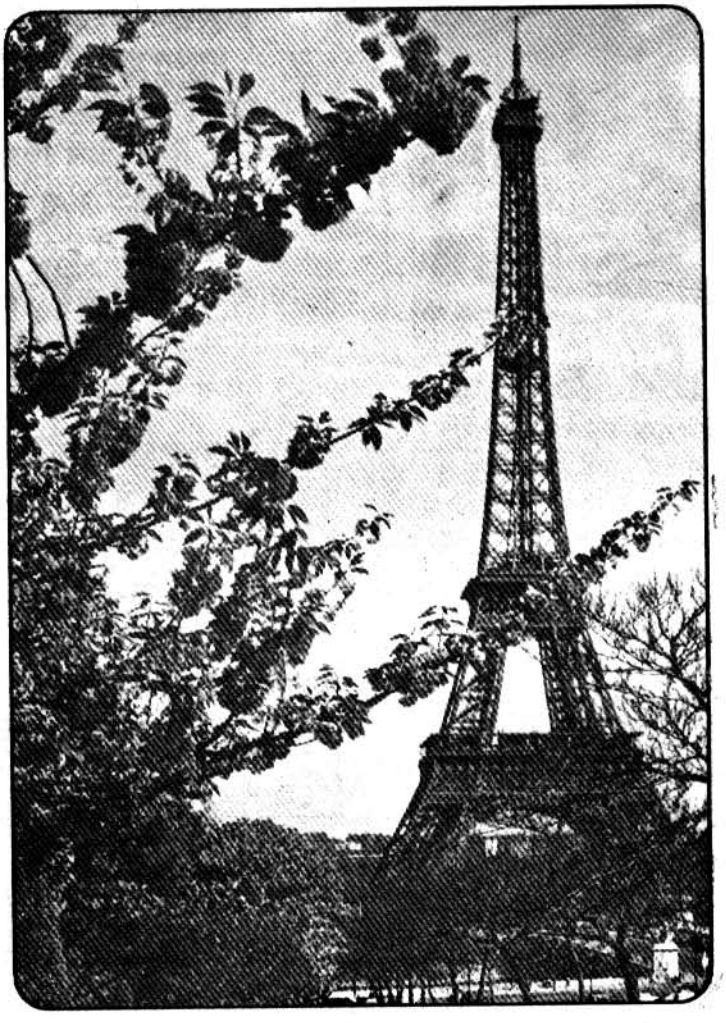

मानचित्र में देखो और बताओ यूरोप में फ्रांस कहां पर है? वह किन सागरों से घिरा है? सागरों से घिरे होने से फ्रांस को क्या लाभ है? यूरोप के अध्याय की याद करो और बताओ। फ्रांस की सीमा कई देशों से जुड़ी है। यूरोप का मानचित्र देखकर उन देशों के नाम बताओ।

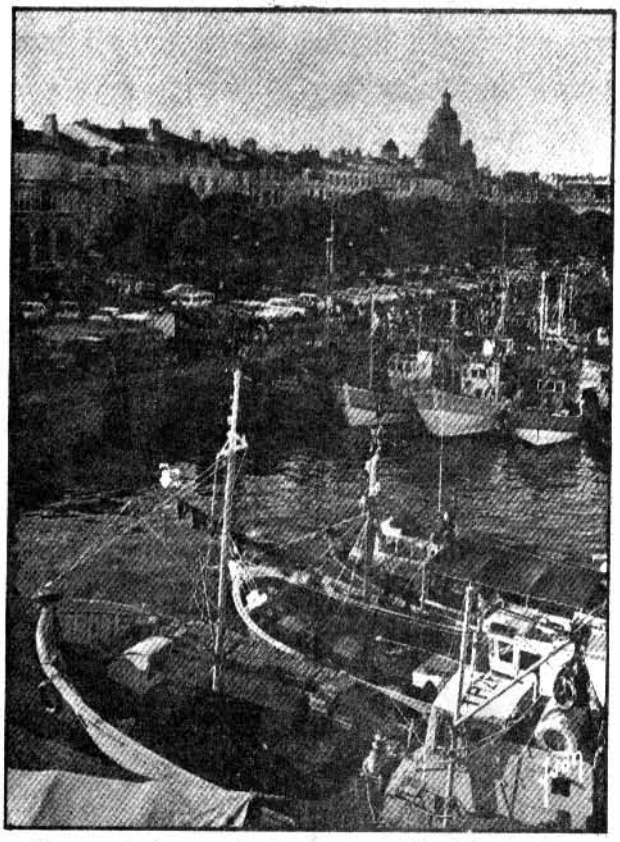

चित्र-2 फ्रांस के एक बंदरगाह का दृश्य। ऐसे छोटे-बड़े अनेक बन्दरगाह फ्रांस के तट पर हैं। ये जहाज़ सागर से मछली पकड़ने के काम आते हैं। वैसे तो फ्रांस के जहाज़ चारों ओर के समुद्रों में मछलियां पकड़ने जाते हैं, लेकिन उत्तरी सागर में बहुतायत से मछलियां मिलती हैं

फ्रांस की बनावट तथा नदियां

तुमने यूरोप के पहाड़, पठार, मैदान तथा नदियों के बारे में पढ़ा था। उनमें से कौन से फ्रांस में हैं? मानचित्र 1 देखो।

पहाड़

मैदान

पठार

नदियां

फ्रांस के प्रमुख कृषि प्रदेश मानचित्र 1 में दिखाए किन हिस्सों में होंगे?

फ्रांस में पशुपालन नक्शे में दिखाए किन हिस्सों में होता होगा? ऐसे हिस्सों में खेती क्यों नहीं हो सकती?

जलवायु

हल्का जाड़ा और सालभर वर्षा

तुम जानते हो कि यूरोप में अपने देश के समान गर्मी नहीं पड़ती। जाड़े का मौसम लम्बा और कठिन होता है। लेकिन फ्रांस में पूर्वी देशों, जैसे पोलेण्ड और रूस के समान कठिन जाड़ा नहीं होता।

यूरोप के बारे में पढ़ी बातों को याद करके तुम सोच सकते हो कि ऐसा क्यों है? तुम यह भी जानते हो कि यहां साल भर पछुआ हवाएं चलती हैं। ये भाप भरी होती हैं। इनसे साल भर पानी बरसता रहता है। थोड़े समय धूप निकलती है, फिर बादल घिर जाते हैं, रिमझिम पानी बरसता है, फिर आकाश खुल जाता है। लेकिन साल भर एक बराबर वर्षा नहीं होती है। जाड़े के महीनों में वर्षा कुछ अधिक होती है। जाड़े में बादल भी बराबर रहते हैं। बीच-बीच में बर्फ गिरती है। ठंड के कारण वर्षा का पानी जल्दी सूखता नहीं है और हवा में नमी बनी रहती है।

साल भर वर्षा उन जगहों पर भी होती है जो भूमध्य रेखा के पास हैं। जैसे इंडोनेशिया और अफ्रीका के बीच के हिस्से। पर फ्रांस में इंडोनेशिया जैसी वर्षा नहीं होती। इंडोनेशिया में रोज़ बहुत बादल घिर जाते हैं और रोज़ घनघोर वर्षा करते हैं जबकि फ्रांस में साल भर रिमझिम हल्की वर्षा होती रहती है।

फ्रांस की ऐसी दो बातें बताओ जो अपने प्रदेश (मध्य प्रदेश) के मौसम से फर्क हैं?

फ्रांस के चार मौसम और खेती-बाड़ी

अपने देश में तो तीन मौसम होते हैं। लेकिन यूरोप के सभी देशों के समान फ्रांस के चार मौसम होते हैं। जाड़ा, बसंत, गर्मी और पतझड़। मौसम के अनुसार यहां चारों ओर का दृश्य बदलता रहता है और खेती के कामकाज भी बदलते जाते हैं। चित्रों में इन मौसम के दृश्य देखो।

जाड़ा: नवंबर आते-आते यहां जाड़ा बढ़ने लगता है।

मानचित्र 1 फ्रांस की प्राकृतिक बनावट

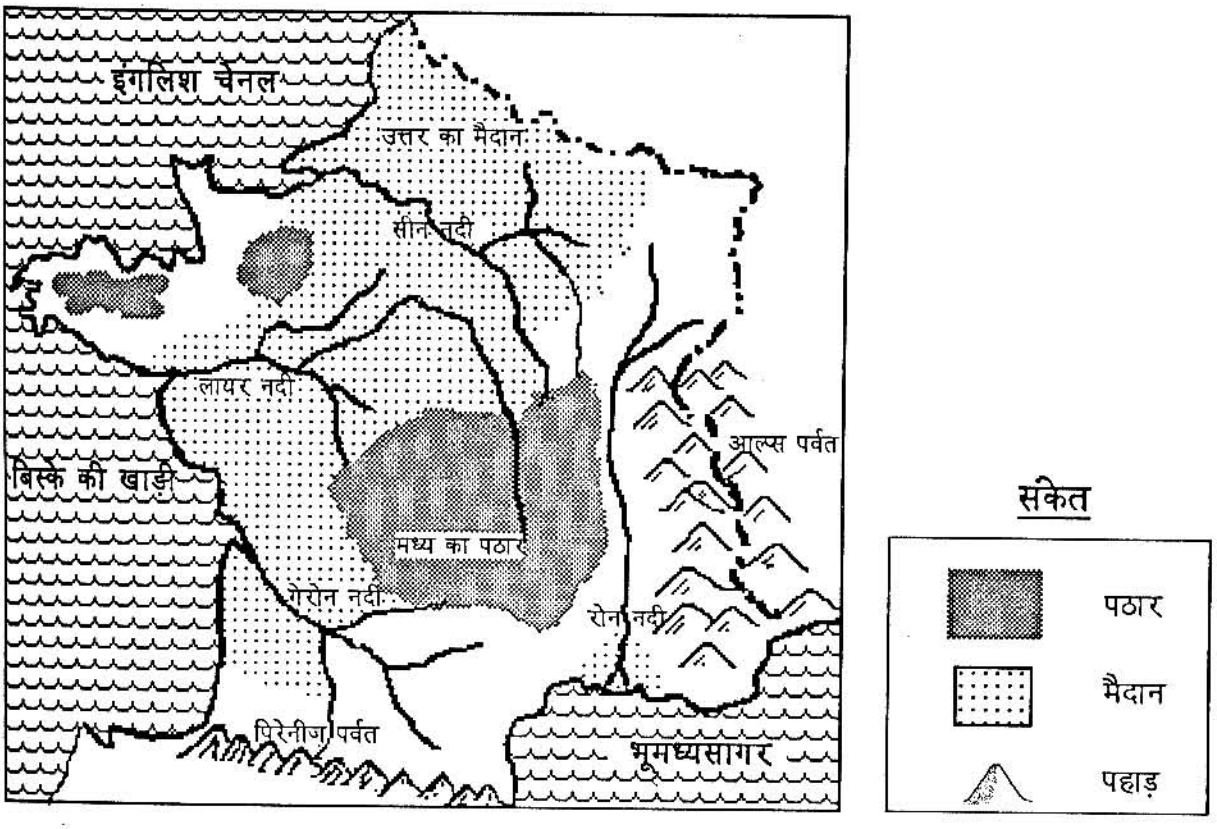

दिसंबर से तो कड़ा जाड़ा होता है। बीच-बीच में बर्फ गिरती है। मैदानों की तुलना में पहाड़ों पर अधिक बर्फ गिरती है। रिमझिम पानी बरसता रहता है। बादल घिरे रहते हैं। धूप तो कभी-कभी निकलती है। सूरज 8-9 बजे निकलता है और पांच बजे के लगभग डूब जाता है। बादलों के कारण और भी अंधेरा रहता है।

फ्रांस में चौड़ी पत्ती के वे पेड़ होते हैं जो ठंडे प्रदेशों में उगते हैं। ये चौड़ी पत्ती के पेड़ जाड़े भर ठूंठ जैसे खड़े रहते हैं-सिर्फ तने और डालियां, एक भी पत्ती नहीं।

तुमने इन पेड़ों के बारे में किस देश में पढ़ा था?

जाड़े में जानवरों को बाड़ों में रखना पड़ता है, वे ठंड के कारण खुले में नहीं रह सकते। वहीं उन्हें चारा देना होता है। इसीलिए यहां के किसानों को जाड़े के लिए चारा इकट्ठा करके रखना होता है। जाड़े में बर्फ पड़ने के कारण भी जानवरों को बाहर की खुली हवा नहीं मिल पाती।

ऐसे जाड़े में कोई फसल नहीं हो सकती है और यहां जाड़े भर अधिकतर खेत खाली पड़े रहते हैं।

अपने देश में किस मौसम के लिए चारा इकट्ठा करके रखना होता है?

क्या अपने देश में भी जाड़े में खेती का काम नहीं होता? तुम्हारे आसपास जाड़े में कौन सी फसलें होती हैं? वे फसलें फ्रांस में जाड़े के मौसम में क्यों नहीं हो सकतीं?

बसंत ऋतु: मार्च आने पर फ्रांस में दृश्य बदलने लगता है। दिन लम्बा और जाड़ा कम होने लगता है। बादल भी कम होने लगते हैं और धूप अधिक देर रहती है। पेड़ों में पत्तियां फिर फूटती हैं, नये लाल-लाल पत्ते फिर निकलते हैं, तरह-तरह के रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं, नई घास निकलती है।

चित्र-3 जाड़े में नदी

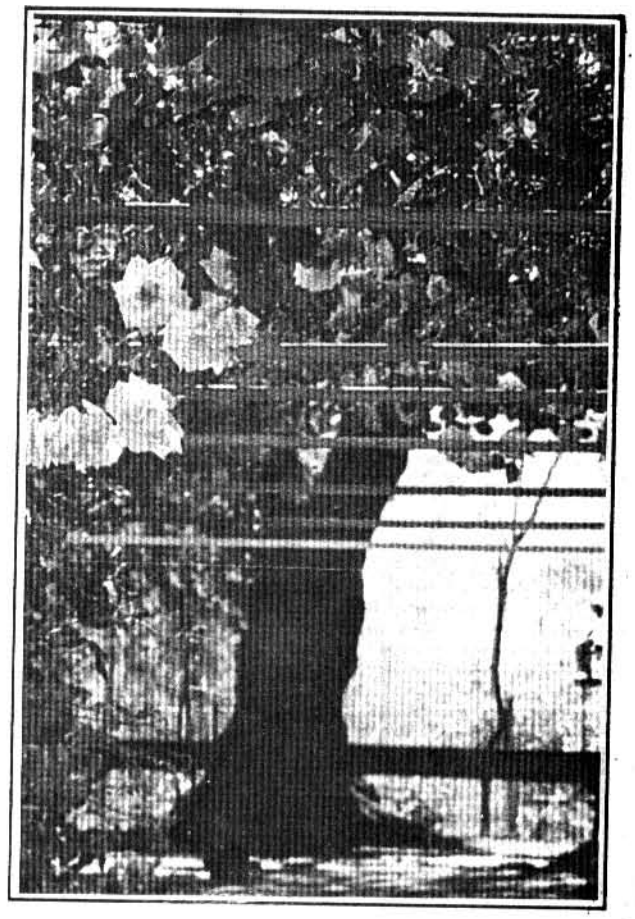

चित्र-4 बसंत में फूलों की बहार

चित्र-5 जाड़े में बर्फ और पेड़

बसंत ऋतु में खेत जोते जाते हैं, किसान खेतों में खाद देते हैं और बोवाई की जाती है। यहां की मुख्य फसलें गेहूं, ओट्स, राई नामक अनाज, जौ, मक्का, तथा चुकन्दर हैं।

बताओ इनमें से कौन सी फसलें अपने प्रदेश में होती हैं?

गेहूं यहां का मुख्य अनाज है। फ्रांस के उन हिस्सों में जहां बहुत बर्फ नहीं गिरती, जाड़ा आने के पहले गेहूं बो दिया जाता है। इसके छोटे पौधे भी निकल आते हैं। जाड़े भर उसकी बढ़वार अधिक नहीं होती उन पर हल्की बर्फ गिरती रहती है, पिघलती रहती है। लेकिन पौधों की जड़ें मज़बूत हो जाती हैं। बसंत ऋतु में गेहूं के पौधे तेज़ी से बढ़ते हैं। जाड़े के इस गेहूं से पैदावार अधिक होती है।

गेहूं के अलावा फ्रांस में उगनेवाले राय अनाज की डबल रोटी बनती है। राई का दाना लंबा होता है। ओट्स दलिये की तरह खाया जाता है और जानवरों को भी दिया जाता है। जौ की शराब बनाई जाती है। यहां गन्ना होता नहीं है लेकिन चुकन्दर होती है। चुकन्दर से यहां शक्कर बनाते हैं और बचे हुए गूदे को जानवरों को खिलाते हैं।

फ्रांस की एक महत्वपूर्ण फसल है अंगूर। अंगूर की बेलें खेतों में लगाई जाती हैं। इनमें गर्मी में पत्ते निकलते हैं, फूल आते हैं। फिर गर्मी भर अंगूर के गुच्छे लटकते दिखते हैं। यहां अंगूर की कई किस्में होती हैं, कुछ खाने के लिए और अन्य शराब बनाने के लिए।

गर्मी की ऋतुः जून, जुलाई, अगस्त यहां गर्मी का मौसम होता है। तब वर्षा कुछ कम होती है, धूप अधिक निकलती है। दिन भी लम्बा होता है। सूरज पांच बजे निकल आता है फिर शाम आठ बजे तक डूबता है। फिर भी गर्मी का मौसम यहां इतना ठंडा होता है कि जैसा अपना जाड़े का मौसम होता है।

इस तरह का गर्मी का मौसम खेती का मौसम होता है। फसलें इस समय बढ़तीं और पकतीं हैं। यहां फसलों को सींचना नहीं पड़ता, बीच-बीच में होने वाली वर्षा से उन्हें पानी मिलता रहता है। किसान अपनी घरेलू ज़रूरतों के लिए अवश्य नलकूप लगाते हैं। गर्मी खत्म होते-होते फसलें काट ली जाती हैं और अंगूर तोड़ा जाता है।

अपने देश में रबी और खरीफ की दो फसलें होती हैं। फ्रांस तथा यूरोप के अन्य देशों में खेती की एक ही फसल होती है। अपने देश में 9-10 महीने खेती का काम चलता रहता है जबकि यूरोप के देशों में 6-7 महीने ही खेतों में काम हो पाता है।

पतझड़ का मौसमः सितम्बर-अक्टूबर में यहां फिर मौसम बदलने लगता है, पेड़ों के पत्ते पीले पड़कर झड़ने लगते हैं। (चित्र 5) खेतों का काम निपटाया जाता है। कई बार खेतों में इतना काम होता है कि उसे निपटाने शहरों से विद्यार्थी भी जाते हैं।

इस समय अंगूर की फसल पक कर आती है। इन अंगूरों का पहले रस निकाला जाता है। फिर इसकी शराब बनाई जाती है। फ्रांसीसी शराब दुनिया भर में प्रसिद्ध है। फलों के अचार व मुरब्बे बनाए जाते हैं।

फ्रांस की कुछ अन्य फसलें

अंगूर के अलावा फ्रांस में कई फल जैसे स्ट्रॉबेरी, चेरी, खूबानी, आलू बुखारा, आड़ू, सेब भी खूब होते हैं। (चित्र-9) यहां इन फलों के पेड़ों के बाग लगाए जाते हैं। इन पेड़ों में बसंत ऋतु में जब सफेद, गुलाबी फूल लगते हैं तब बड़ा सुन्दर दृश्य होता है। (चित्र 4)

अपने यहां मार्च-अप्रैल में शिमला या नैनीताल (हिमालय के नगरों) में इन फलों के बगीचों को फूलते देख सकते हैं। मई-जून में ये फल खाने को मिलते हैं। दरअसल ये फल ठंडी जलवायु में ही होते हैं - गर्म देशों में नहीं होते हैं। भारत जैसे गर्म देशों में आम, अमरूद और केला जैसे फल होते हैं। लेकिन ये फल फ्रांस जैसे ठंडे देशों में नहीं होते।

हिमालय के ऊंचे भागों में यूरोप जैसे फल क्यों होते हैं?

फ्रांस के दक्षिणी हिस्से, उत्तरी फ्रांस की तुलना में ज़्यादा गर्म रहते हैं। इसलिए यहां कुछ फसलें ऐसी होती हैं जो उत्तर में नहीं होतीं।

मानचित्र 2 फ्रांस की फसलें

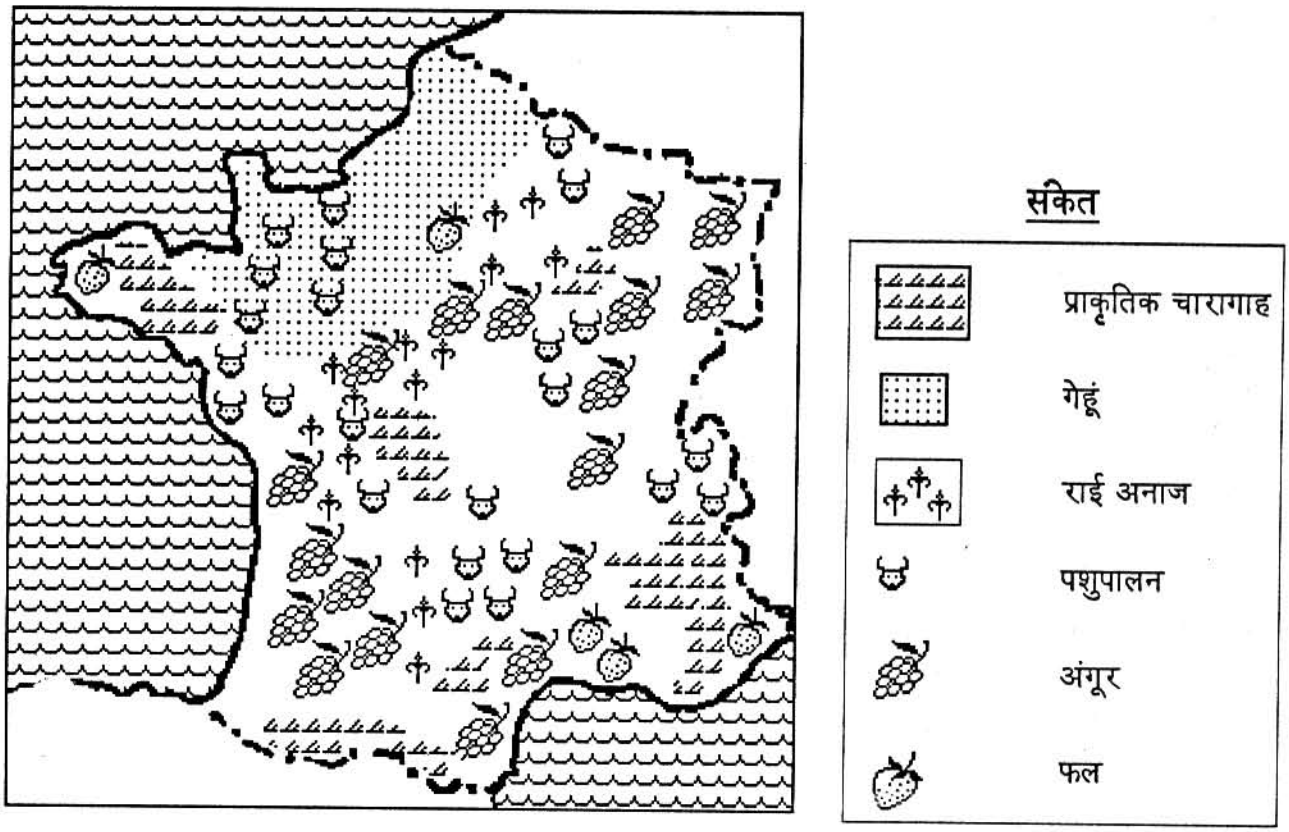

जैतून (ऑलिव): फ्रांस के दक्षिणी हिस्से, विशेषकर सागर के निकट, जैतून खूब लगाए जाते हैं। ये पेड़ अधिकतर पथरीले ढलवे हिस्सों पर लगाए जाते हैं। ऐसी भूमि पर और कोई फसल तो हो भी नहीं पाती। जैतून का तेल निकाला जाता है जो खाने के काम आता है।

दक्षिणी फ्रांस में नीबू, नारंगी, संतरा आदि फल भी बहुत होते हैं। खाने के अलावा इनका मुरब्बा और अचार भी बनता है।

पशुपालन और चारे की फसलें

फ्रांस में पशुपालन खेती का महत्वपूर्ण अंग है। लेकिन अपने देश की तरह खेतों का काम करने, फसल को लादकर घर और बाज़ार ले जाने के लिए यहां पशुओं की अब आवश्यकता नहीं है। पहले ज़रूर यहां हल खींचने का काम घोड़े करते थे लेकिन अब यह सब काम मशीनों और ट्रैक्टरों से होता है।

गायें यहां दूध, मक्खन, पनीर आदि के लिए पाली जाती हैं। दूध को फाड़ कर खमीर उठाकर, पनीर बनाई जाती है जो गुड़ की तरह चक्कों में जमाई जाती है। पनीर फ्रांस में भोजन का आवश्यक हिस्सा है। दूध और मक्खन की भी यहां बहुत खपत है। यहां अधिक दूध देनेवाली अच्छी नस्ल की गाएं पाली जाती हैं। सुअर और बैल-गाय यहां मांस के लिए भी पाले जाते हैं। मांस के लिए पाली जाने वाली गायों की नस्लें अलग होती हैं। यहां के लोग मांस खूब खाते हैं, इसलिए मांस का भी बड़ा बाज़ार है। पठारी व पहाड़ी हिस्सों में भेड़ और बकरी यहां भी पाली जाती हैं। भेड़ से ऊन भी मिलता है। और इन जानवरों का मांस भी यहां के भोजन का अंग है।

चित्र-6 मुलायम घास चरते भेड़

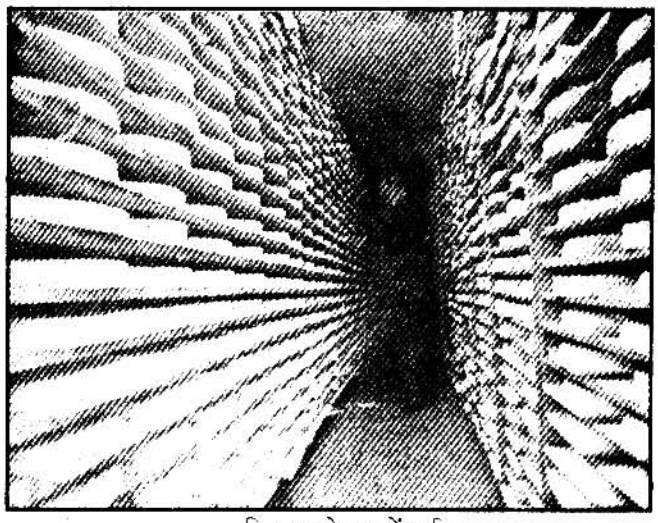

चित्र-7 गोदाम में पनीर

जब यहां पशुओं से मिलने वाले भोजन की इतनी मांग है तो पशुओं के पालने के लिए सुविधा क्या है? तुमने अभी पढ़ा कि यहां थोड़े-थोड़े दिन बाद वर्षा होती रहती है। ठंडा मौसम होता है। तो यहां घास बराबर उगती रहती है। घास हरी, मुलायम और रसीली होती है।

तुम जानते हो कि जानवर सिर्फ घास खाकर नहीं रहते। फ्रांस में उनके चारे के लिए भी कई फसलें बोई जाती हैं। जैसे अपने यहां बरसीम घास लगाई जाती है। फ्रांस में बंद गोभी, ओट्स, टर्निप, मक्का, जौ आदि भी जानवरों को खिलाया जाता है। शक्कर निकालने के बाद चुकन्दर का गूदा भी खिलाया जाता है।

फ्रांस के फार्म

फ्रांस के अधिकतर खेतिहर प्रदेशों में किसान बड़े गांवों में नहीं रहते। अधिकतर जोत 50-100 एकड़ या उससे बड़े होते हैं। यूरोप के अन्य देशों में भी इन बड़ी जोतों को फार्म कहते हैं। अपनी जोत पर ही किसान घर बनाकर रहते हैं। इससे उन्हें खेती का काम करने में सुविधा होती है। अधिकतर मकान जिन्हें फार्म हाउज़ कहते हैं कई कमरे के काफी बड़े घर होते हैं। पास ही फार्म में काम करने वाले नौकरों के घर होते हैं। जानवरों को रखने के शेड, चारा जमा करने के बड़े गोदाम, कृषि मशीनें रखने के शेड, मुर्गी आदि के बाड़े भी फार्म में ही होते हैं।

ये बड़े किसान अपने खेतों में मज़दूरों से काम करवाते हैं। खेतों का काम ट्रैक्टर तथा हारवेस्टर जैसी मशीनों से होता है। अधिकतर उपज मंडी में बेच दी जाती है। बड़ी मशीनें किसान आसपास की सहकारी समितियों से भी ले लेते हैं।

पता करो क्या तुम्हारे गांव में लोग ट्रेक्टर, दावन मशीन एक दूसरे से लेते हैं?

क्या तुम्हारे गांव के जानवरों का दूध पास के शहर में बिकने जाता है? या कोई सहकारी समिति खरीदती है?

फ्रांस में बड़ी जोत और मशीनें होने के कारण अधिकतर किसानों की आय अच्छी होती है। इनके घरों में सुख-सुविधा के सभी प्रबंध होते हैं। ये किसान अच्छा खाते और पहनते हैं। अधिकतर बिजली व गैस के चूल्हे जलाते हैं। पहले तो सभी किसानों के घरों में तंदूर में डबलरोटी पकती थी। लेकिन अब आसपास के छोटे नगरों से डबलरोटी जैसी तरह-तरह की रोटियां बनकर आती हैं। किसान गेहूं तो सब बेच देते हैं- खाने के लिए डबलरोटी दुकान से रोज़ खरीदते हैं।

मांस, जो फ्रांस के लोगों का प्रमुख भोजन है, फार्म की मुर्गी, सुअर या गाय-बैल को मारकर मिल जाता है। फिर मांस को धुंआ देकर या सुखा कर खाल आदि में बांध कर खाने के लिए रख लेते हैं।

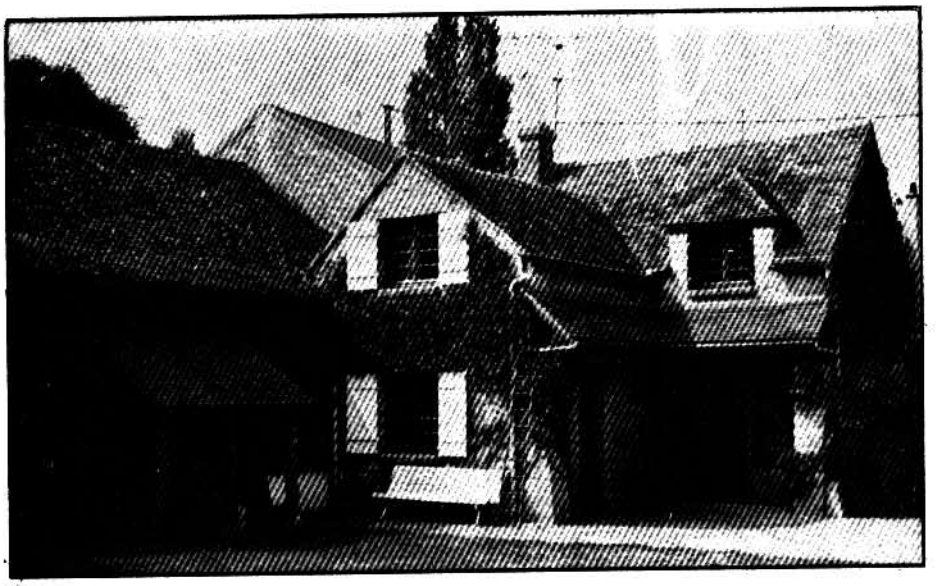

चित्र-8 फ्रांस का एक परंपरागत घर

पहले सभी घरों में एक तल-घर होता था जिसमें किसान अपने उपयोग की शराब, मांस, पनीर आदि भंडार करते थे। अब बहुत से फार्म घरों में रेफ्रीजिरेटर आ गये हैं जो बिजली से चलते हैं और ठंड के कारण उनमें रखी चीज़ें खराब नहीं होतीं।

फ्रांस के किसानों को औज़ार और मशीनों के पुर्ज़े आदि निकट के शहर से लाने होते हैं। फार्मों के पास के छोटे-बड़े नगरों में ज़रूरत की सभी चीज़ें मिल जाती हैं। इन फार्मों के बच्चे आसपास के नगरों में पढ़ने चले जाते हैं। फ्रांस में बिना पढ़े-लिखे लोग बहुत कम हैं।

आधुनिक खेती

यूरोप के देशों में जैसे उद्योग, परिवहन आदि विकसित हैं वैसे ही कृषि का भी खूब विकास हुआ है। अब आधुनिक ढंग से खेती होती है। उन्नत बीज, रासायनिक खाद, कीटाणुनाशक दवाएं आदि का उपयोग यहां बहुत पहले से होता रहा है। हम लोग आधुनिक खेती को "हरित क्रांति" कहते हैं। यह हरित क्रांति फ्रांस में लगभग 100 साल पहले आ गई थी। वहां श्वेत क्रांति भी हुई। जानवरों की नस्लों का सुधार किया गया है, उनको अच्छी खुराक दी जाती है। इसलिए आजकल वहां गाएं अपने देश की गायों से कई गुना अधिक दूध देती हैं।

खनिज और उद्योग

मानचित्र 3 में देखो फ्रांस में कौन से खनिज निकाले जाते हैं?

जर्मनी या ग्रेट ब्रिटेन के समान यहां तरह-तरह के खनिजों के भंडार तो नहीं हैं। फिर भी यहां कोयला और लोहे का अयस्क या कच्चा लोहा तो मिलता है। तुमने यूरोप के बारे में पढ़ा था कि जहां कोयला और लोहा पास पास मिला वहां लोगों ने लोहा व इस्पात उद्योग स्थापित किया था। इस इस्पात से कई और मशीनें और सामान बनाने लगे। फ्रांस में क्या-क्या चीज़ें बनती हैं, मानचित्र 3 में देखो।

क्या यह सब उद्योग पूरे देश में फैले हैं या कुछ विशेष हिस्सों में ही लगे हैं?
ध्यान से देखो तो पाओगे कि उत्तरी तथा उत्तरी-पूर्वी फ्रांस में बहुत से उद्योग हैं। यहां कौन से खनिजों के क्षेत्र हैं?

उत्तरी-पूर्वी फ्रांस

यहां कपड़ा बनाने की बहुत पुरानी परम्परा है। जब ऊनी व सूती कपड़ा बनाने की मशीनें बनी थीं तब फ्रांस में भी कपड़ा मशीनों से बनने लगा और कई कारखाने लग गए। आज भी यह प्रदेश कपड़ा उद्योग के लिए जाना जाता है।

मानचित्र 3 फ्रांस के उद्योग

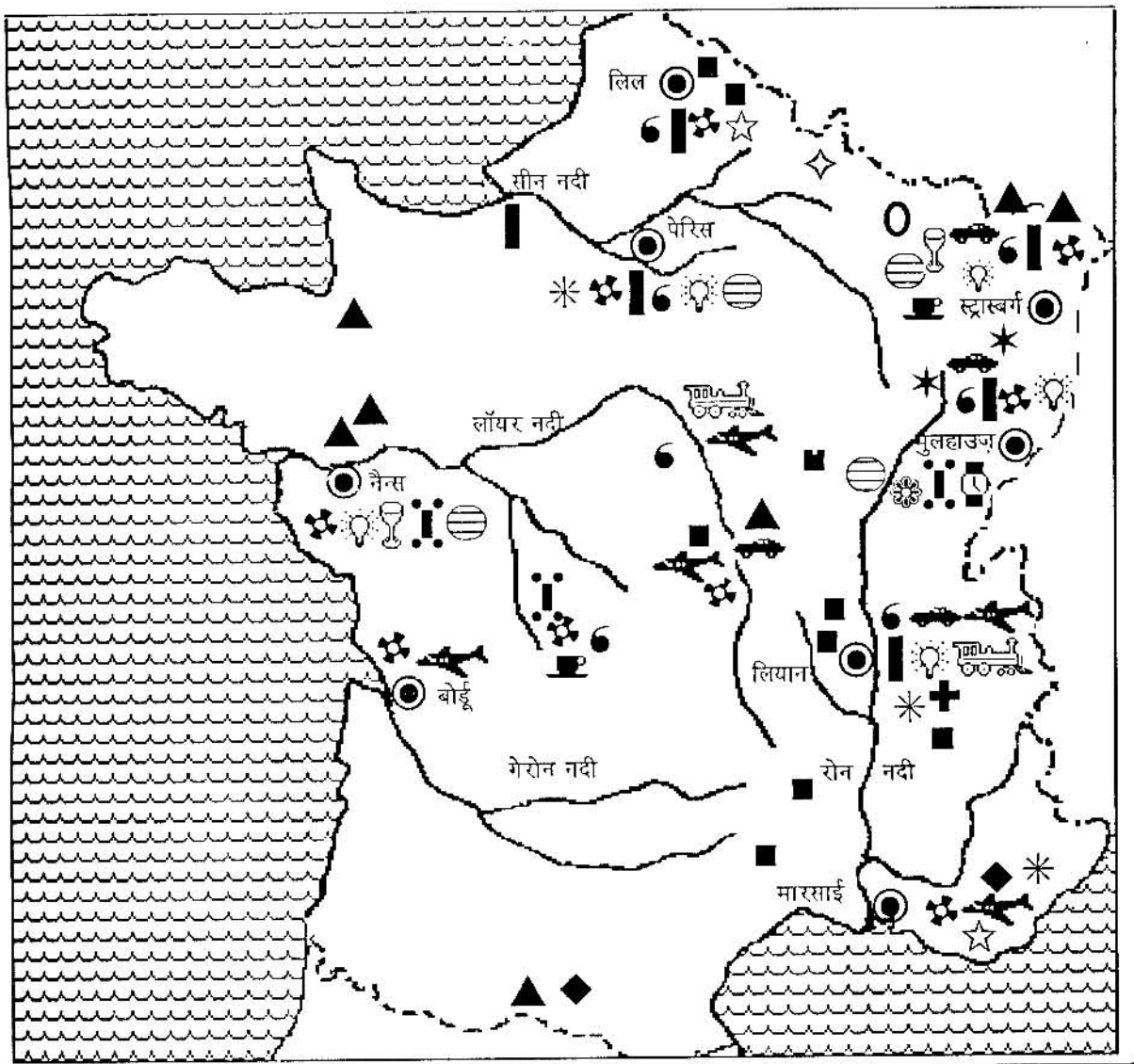

शहर	मोटर गाड़ी	बिजली का सामान
कोयला	इत्र	काँच का सामान
लोहा	रबर का सामान	चीनी मिट्टी का सामान
अल्यूमीनियम खनिज	वायुयान	रेलवे का सामान
इंजीनियरिंग	प्लास्टिक	ऊनी कपड़ा
इस्पात	लोहे का सामान	सूती कपड़ा
रसायन	घड़ी	रेशमी कपड़ा
चमड़ा		पोषाक

ऊनी कपड़ा फ्रांस बनाता है यह तो ठीक है- फ्रांस में भेड़ें पाली जाती हैं जिनसे मिली ऊन से उत्तरी-पूर्वी फ्रांस में ऊनी कपड़ा बनता है। लेकिन सूती कपड़ा कैसे? फ्रांस की खेती के बारे में तुमने पढ़ा। क्या उसमें तुमने कपास की खेती की बात पढ़ी थी? नहीं न? तो फ्रांस कपास विदेशों से मंगाकर सूती कपड़ा बनाता है। तुम पूछोगे वह क्यों? वो लोग सूती कपड़ा पहनते हैं, पर्दे और चादरें भी इस्तेमाल करते हैं तो कपड़ा मंगाने के बजाय फ्रांस कपास मंगाकर सूती कपड़ा बनाता है। कुछ कपड़ा विदेशों के बाज़ार में भी जाता है। समुद्र के निकट होने के कारण कपास मंगाने में सरलता भी होती है।

पेरिस

फ्रांस में कुछ केन्द्र ऐसे भी हैं जहां खनिज तो नहीं हैं फिर भी उद्योग लगे हैं, उनमें से प्रमुख है वहां की राजधानी पेरिस और उसके पास का प्रदेश।

मानचित्र 3 देखकर बताओ यहां कौन से उद्योग लगे हैं?

यहां खनिज तो कोई नहीं है, कोयला भी नहीं मिलता फिर उद्योग कैसे लगे हैं? पेरिस बहुत बड़ा शहर है, बड़ा व्यापारिक केन्द्र है, चारों ओर सड़कें, रेलमार्ग, बन्दरगाह और सामान को भेजने की भी सुविधा है। पेरिस शहर एक बन्दरगाह भी है। तो यहां की बनी मशीनें, बिजली का सामान, कारें,वैज्ञानिक यंत्र, देश में तथा देश के बाहर बेचने में बहुत आसानी है। इसीलिए यहां इतने सारे उद्योग लगे हैं। पेरिस में विदेश के भी बहुत लोग आते हैं। यहां सिले हुए कपड़े खरीदते हैं। पेरिस इत्र तथा सौंदर्य प्रसाधन और चमड़े का सामान बनाने का भी पुराना केन्द्र है। यहां की बनी ये सब चीज़ें संसार भर में प्रसिद्ध हैं।

मध्य फ्रांस

ये तो हुए फ्रांस के दो बड़े औद्योगिक क्षेत्र। मानचित्र को देखो, फ्रांस के और भागों में भी उद्योग लगे हैं। मध्य फ्रांस में जहां कोयला भी मिलता है, कई उद्योग लगे हैं। मध्य फ्रांस में कोयले के मिलने के कारण ईंधन की सुविधा तो है ही,देश के मध्य में स्थित होने के कारण बने हुए माल को बाज़ारों को भेजना भी आसान है।

भूमध्यसागरी तटीय प्रदेश

मार्साई नगर देखो, किस समुद्र के किनारे है?

यह फ्रांस का बड़ा बन्दरगाह तो है ही, खास बात यह है कि भूमध्यसागर पर होने के कारण सामान को लाने ले जाने की बड़ी सुविधा है।

भूमध्यसागर के तट पर उद्योगों को लगाना भी आसान है। कुछ उद्योग तो यहां के कृषि उत्पादन पर आधारित हैं जैसे जैतून का तेल निकालना, रेशम का कपड़ा बनाना, शक्कर बनाना। फिर कुछ उद्योग धातुओं पर आधारित हैं जैसे जहाज़, मशीनें, यंत्र, इंजन आदि बनाना।

उद्योग उन जगहों पर लगाए जाते हैं जहां उनको लगाने की सुविधाएं मिलती हैं। फिर चारों ओर उद्योगों में काम करने वाले लोग बस जाते हैं। यही कारण है कि औद्योगिक प्रदेशों में घनी आबादी मिलती है। फ्रांस में भी जहां उद्योग लगे हैं, वहां घनी आबादी है। ऐसे प्रदेशों में बहुत से नगर भी हैं जहां इन उद्योगों में काम करने वाले लोग रहते हैं।

फ्रांस के औद्योगिक क्षेत्र का नक्शा देखकर बताओ कि वहां कौन से महत्वपूर्ण नगर बसे हैं?

अभ्यास के प्रश्न

1. फ्रांस को तीनों ओर के सागर से क्या लाभ है?
2. फ्रांस के किस हिस्से में विस्तृत मैदान है? उसमें कौन सी नदी बहती है?
3. फ्रांस की मुख्य फसलें बताओ। यहां जाड़े में अधिकतर भाग में खेती क्यों नहीं होती ?
4. चुकन्दर, जैतून, अंगूर की फसलों से फ्रांस में क्या-क्या बनाया जाता है?
5. फ्रांस में पशुपालन के लिए प्रकृति से क्या सुविधा मिली है? घास के अलावा पशुओं को क्या चारा दिया जाता है?
6. हरित क्रांति व श्वेत क्रांति किसे कहते हैं? चार-पांच वाक्यों में लिखो।
7. पेरिस क्षेत्र में कौन से मुख्य उद्योग हैं? वहां विदेशी यात्रियों के आने से उद्योगों को क्या लाभ है?
8. उत्तरी-पूर्वी प्रदेश में कौन से खनिज मिलते हैं? वहां पर लगे मुख्य उद्योगों के नाम बताओ।
9. भूमध्य सागर के तट पर फ्रांस का कौन-सा औद्योगिक व व्यापारिक नगर है? वहां के उद्योगों के लिए कौन-कौन सी कृषि उपज मिलती है?

चित्र-9 ठंडे प्रदेश के फल